प्रतिदर्श प्रश्नपत्र **दिनांक:**

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली- एन.सी.आर.

अर्धवार्षिक परीक्षा (2025-26)

कक्षा- छठी

विषय- हिंदी

निर्धारित समय- 3 घंटे **पूर्णांक- 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'। सभी खंड अनिवार्य हैं।
- प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
- उत्तर-पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए, जो प्रश्न-पत्र में दी गई है।
- बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर उनके सही विकल्प तथा पूर्ण उत्तर के साथ लिखिए।
- प्रश्न-पत्र में 7 पृष्ठ और 14 प्रश्न हैं।
- प्रश्न-पत्र के पठन हेतु 15 मिनट का अतिरिक्त समय निर्धारित है।

खंड- 'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए- **(1X5=5)**

इस मातृभूमि और इस देश के निवासियों की सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य है। इस पृथ्वी पर जड़ और चेतन सभी अपने-अपने कार्यों में व्यस्त हैं। सूर्य, चंद्रमा यहाँ तक कि छोटा-सा तिनका भी सदैव अपने कार्य में लगा रहता है। फिर मनुष्य तो इन सबसे ऊपर है। अपने बल और बुद्धि के आधार पर सर्वोपरि है। क्या वह इस संसार में केवल अपने स्वार्थ अर्थात् अपने कार्य के लिए जी रहा है? इस धरती जिस पर उसने जन्म लिया है, जिसने उसे पाल-पोसकर इतना बड़ा किया है, माँ धरती और उस धरती पर रहने वाले लोगों के प्रति क्या उसका कोई कर्तव्य नहीं? क्या तुम इस धरती पर केवल मौज-मस्ती के लिए आए हो? यह धरती तो हमारी परीक्षा-स्थली है। हमें यहाँ के दुःखों से व्याकुल नहीं होना अपितु अपना स्वार्थ त्यागकर हमें इस धरती का ऋण उतारना है, अपने कर्तव्य को निभाते हुए शेष जीवन व्यतीत करना है।

(i) इस पृथ्वी पर अपने-अपने कार्यों में व्यस्त हैं-

(क) देश के निवासी (ख) जीव-जंतु

(ग) जड़ और चेतन (घ) हमारी मातृभूमि

(ii) मनुष्य को इस संसार में किस आधार पर सर्वोपरि माना गया है?

(क) स्वार्थ के आधार पर (ख) दुःखों के आधार पर

(ग) कार्य के आधार पर (घ) बल और बुद्धि के आधार पर

(iii) धरती ने हमारे लिए क्या किया है?

(क) हमारे लिए संघर्ष किया (ख) पाल-पोसकर बड़ा किया

(ग) हमारी सेवा की (घ) अनेक दुख दिए

(iv) इस धरती के वासियों का अपनी धरती के प्रति क्या कर्त्तव्य है?

(v) प्रकृति हमें क्या संदेश देना चाहती है?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए-

(1X5=5)

'विद्यार्थी' शब्द का जन्म विद्या से हुआ है। विद्या द्वारा मनुष्य एक अच्छा मनुष्य एवं अच्छा नागरिक बनता है और देश की प्रगति में सहभागी होता है। इसलिए सबको आदर्श विद्यार्थी बनने का प्रयास करना चाहिए। 'आदर्श विद्यार्थी' जैसे शब्दों का उच्चारण करते हुए हमें ऐसे व्यक्ति का स्मरण हो आता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करना होता है। वह विद्या-अनुरागी, जिज्ञासु, परिश्रमी, सदाचारी और सुशील होता है। आदर्श विद्यार्थी मात्र अपनी कक्षा की पुस्तकों से संतुष्ट नहीं होता बल्कि वह अन्य पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं का भी समान रुप से अध्ययन करता है। उसे पढ़ाई के अलावा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। उसे विद्यालय में होने वाली सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। एक आदर्श विद्यार्थी अपने लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखता है। जीवन को सही दिशा देना ही एक आदर्श विद्यार्थी का कार्य होता है। हमारी शिक्षा हमें अपने पैरों पर खड़े रहना सिखाती है। जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है। आदर्श विद्यार्थी को चाहिए अपनी शिक्षा का सदुपयोग करते हुए सबके हितों के लिए कार्य करे।

(i) 'विद्यार्थी' शब्द का जन्म किससे हुआ है?

(क) अध्धयन (ख) विद्या

(ग) विद्यालय (घ) शिक्षक

(ii) एक आदर्श विद्यार्थी का उद्देश्य क्या होता है?

(क) सदा सत्य बोलना (ख) ज्ञान का प्रचार-प्रसार

(ग) शिक्षा प्राप्त करना (घ) सभी के हित में सोचना

(iii) 'आदर्श विद्यार्थी' में कौन-कौन से गुण होते है?

(क) आलस्य, विद्या-अनुरागी, परिश्रमी (ख) जिज्ञासु, परिश्रमी और सदाचारी

(ग) निराशावादी, सत्यवादी, जिज्ञासु (घ) विद्या-अनुरागी, अकर्मठ और सदाचारी

(iv) एक आदर्श विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का विकास कैसे कर सकता है?

(v) शिक्षा का सही अर्थ क्या है?

खंड- 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(3)**

(i) संयुक्त व्यंजन वाले शब्द छाँटकर लिखिए- **1**

रसगुल्ला, साथी, आदमी, मच्छर

(ii) 'परीक्षा' शब्द का वचन बदलकर लिखिए । **1**

(iii) 'विद्वान' शब्द का लिंग बदल कर लिखिए । **1**

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(4)**

(i) अनुस्वार व अनुनासिक का सही प्रयोग कर शब्द पुनः लिखिए- **1**

ऊचा, भयकर

(ii) 'र' के सही रूप का प्रयोग कर शब्द पुनः लिखिए- **1**

दूरदशन, राष्ट

(iii) 'आविश्कार' शब्द का शुद्ध रूप लिखिए । **1**

(iv) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए- **1**

किए गए उपकार को मानने वाला-

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(6)**

(i) दिए गए वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए काल के अनुसार बदलकर लिखिए- **2**

(क) सोमवार को छठी कक्षा के छात्रों की प्रतियोगिता होगी| (भूतकाल)

(ख) सभी सिपाही राजा के पीछे-पीछे चलेंगे| (वर्तमान काल)

(ii) दिए गए वाक्यों में उचित स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए- **2**

(क) वाह खीर तो बहुत अच्छी बनी है

(ख) राहुल सीमा और सुरेश दिल्ली गए हैं

(iii) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- **2**

बाल बाँका न कर सकना

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(6)**

(i) विलोम शब्द लिखिए- **2**

(क) आरंभ (ख) मानव

(ii) पर्यायवाची शब्द (दो-दो) लिखिए- **2**

(क) शरीर (ख) कमल

(iii) अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए- **2**

(क) सोना (ख) तीर

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(6)**

(i) दिए गए वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए- **2**

(क) वह <u>भारत</u> में रहता है।

(ख) शरबत में <u>मिठास</u> है।

(ii) दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए- **2**

(क) वे गाँव चले गए। (ख) डिब्बे में कुछ रखा है।

(iii) दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए- **2**

(क) सीमा के बाल लंबे हैं।

(ख) पिताजी दो किलो आम लाए हैं।

खंड- 'ग' (पाठ्यपुस्तक)

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर का चयन करके लिखिए- **(1X5=5)**

गोपाल की दादी माँ ने चावल के आटे से फ़र्श पर बहुत सुंदर-सुंदर आकृतियाँ बनाई। गोपाल ने दादी से पूछा, "दादी यह क्या है?" दादी ने उसे प्यार से बताया कि इसे 'कोलम्' कहते हैं। यह 'कोलम' नई फसल के चावल से बनाया जाता है इसलिए इसका विशेष महत्त्व है। अगले दिन सुबह गोपाल नहा-धोकर, नए कपड़े पहनकर तैयार हो गया। उसने देखा कि द्वार के ठीक बाहर बहुत बड़ा और बहुत सुंदर 'कोलम्' बना था। पोंगल पर विशेष रूप से सूर्य की ही पूजा-अर्चना की जाती है। कुछ देर बाद गोपाल को रसोईघर से भीनी-भीनी सुगंध आने लगी। चूल्हे पर नए बर्तन में 'शर्करइ पोंगल' पकाया जा रहा था। यह 'शर्करइ पोंगल' दूध, गुड़ और चावल से बनाया जाता है। सूर्य की पूजा करने के बाद गोपाल ने बड़े चाव से 'शर्करइ पोंगल' खाया।

(i) 'कोलम' कैसे बनाया जाता है?

(क) गेहूँ के आटे से (ख) नई फसल के चावल से

(ग) सफेद रंग से (घ) चावल और चीनी के मिश्रण से

(ii) पोंगल पर किस देवता की पूजा की जाती है?

(क) इंद्र की (ख) धरती माँ की

(ग) सूर्य की (घ) पेड़-पौधों की

(iii) गोपाल ने सुबह उठकर सबसे पहले क्या किया?

(क) कोलम बनाया (ख) चावल का आटा पीसा

(ग) गाय चराने गया (घ) नहा-धोकर नए कपड़े पहने

(iv) 'शर्करइ पोंगल' में कौन-कौन सी सामग्री का उपयोग किया जाता है?

(क) दूध, गुड़, चावल (ख) दूध, शक्कर, गेहूँ

(ग) चावल, शक्कर, हल्दी (घ) चावल, घी, शक्कर

(v) 'पोंगल' त्योहार का क्या महत्त्व है?

(क) यह एक राष्ट्रीय त्योहार है।

(ख) यह गेहूँ की फसल के स्वागत के लिए मनाया जाता है।

(ग) इस दिन विशेष रूप से सूर्य की पूजा की जाती है।

(घ) इस दिन श्री लक्ष्मी-गणेश की पूजा का आयोजन होता है।

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर का चयन करके लिखिए- **(1X5=5)**

तरुवर फल नहीं खात है, सरवर पियहि न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।

कहि रहीम संपत्ति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
विपत्ति कसौटी जे कसे, सो ही साँचे मीत।।

(i) <u>'सरवर पियहि न पान'</u> का अर्थ है-

(क) सरोवर अपना पानी पीता है (ख) सरोवर पानी बिखेरता है

(ग) सरोवर में पानी नहीं है (घ) सरोवर अपना पानी स्वयं नहीं पीता

(ii) सज्जन व्यक्ति किसके लिए धन का संचय करते हैं?

(क) अपने स्वार्थ के लिए (ख) दूसरों के हित के लिए

(ग) पड़ोसियों के स्वार्थ के लिए (घ) सगे-संबंधियों के लिए

(iii) तरुवर और सरोवर हमें क्या सिखाते हैं?

(क) अपनी वस्तु किसी को न देना (ख) अपनी संपत्ति का संचय करना

(ग) परोपकारी बनना (घ) सब कुछ खो देना

(iv) विपत्ति में कौन हमारे काम आते हैं?

(क) कपटी लोग (ख) दुर्जन व्यक्ति

(ग) पड़ोसी (घ) मीत

(v) 'मीत' शब्द का अर्थ है-

(क) सज्जन व्यक्ति (ख) शत्रु

(ग) कपटी व्यक्ति (घ) मित्र

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20-25 शब्दों में लिखिए- (2×4=8)

(i) राजा अपनी प्रजा का ध्यान किस प्रकार रखता था?

(ii) 'सच्चे बच्चे कितने अच्छे' प्रतियोगिता में सत्यपाल को पुरस्कार देने का सुझाव किसका था और क्यों?

(iii) सुंदरलाल जब अपने गाँव लौटा तो उसका मन आत्मग्लानि से क्यों भरा हुआ था?

(iv) कविता 'साथी हाथ बढ़ाना' के आधार पर बताइए कि यदि कोई व्यक्ति अकेला ही सारे काम करेगा तो क्या होगा?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक (लगभग 30-40 शब्दों में) लिखिए- (3×4=12)

(i) छह नौजवानों में से किसने सबसे अनोखी इच्छा व्यक्त की? वह अनोखी इच्छा क्या थी? 'अनोखा वरदान' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) महिपाल सिंह ने बाएँ हाथ से लिखने का अभ्यास किस प्रकार किया? 'चिटठी के अक्षर' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) चंचल ने सत्यपाल को अख़बार बेचने का सबसे सरल उपाय क्या बताया? 'पुरस्कार' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iv) सुंदरलाल ने वृक्षों की कटाई को रोकने के लिए कौन-कौन से प्रयास किए? पाठ 'सुन्दरलाल' के आधार पर लिखिए ।

<u>खंड- 'घ' (रचनात्मक लेखन)</u>

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर (80-100) शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (5)

(i) स्वतंत्रता दिवस

- स्वतंत्रता दिवस का परिचय
- स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व
- स्वतंत्रता दिवस में वीरों का बलिदान

(ii) यदि मैं एक सिपाही होता/होती

- देश प्रेम और सेवा
- कर्त्तव्यों का पालन
- देश की उन्नति में योगदान

(iii) प्रदूषण से बचाव

- प्रस्तावना/भूमिका
- हानिकारक गैसों से रक्षा
- प्रदूषण निवारण के उपाय

13. ग्रीष्मावकाश के दौरान की गई धार्मिक यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

तैराकी प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपने छोटे भाई को बधाई पत्र लिखिए।

14. कूलर की बिक्री के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा **5**

'पेपर बैग' की बिक्री के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर तालिका, अर्धवार्षिक परीक्षा (2025-2026)

कक्षा: छठी

विषय: हिंदी

निर्धारित समय: 3 घंटे **पूर्णांक: 80**

निर्देश: यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा हो परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथा संभव अंक दिए जाएँ ।

क्रम संख्या	उत्तर संकेत	उप भार	कुल अंक
1	(i) (ग) जड़ और चेतन (ii) (घ) बल और बुद्धि के आधार पर (iii) (ख) पाल-पोसकर बड़ा किया (iv) इस मातृभूमि और इस देश के निवासियों की सेवा करना पहला कर्तव्य है। (v) अपना स्वार्थ त्यागकर इस धरती का ऋण उतारना है, अपने कर्तव्य को निभाते हुए शेष जीवन व्यतीत करना है।	1 1 1 1 1	5
2	(i) (ख) विद्या (ii) (घ) सभी के हित में सोचना (iii) (ख) जिज्ञासु, परिश्रमी और सदाचारी (iv) पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय में होने वाली सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है । (v) जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है।	1 1 1 1 1	5
3	(i) रसगुल्ला, मच्छर (ii) परीक्षाएँ (iii) विदुषी	1 1 1	3
4	(i) ऊँचा, भयंकर (ii) दूरदर्शन, राष्ट्र (iii) आविष्कार (iv) कृतज्ञ	1 1 1 1	4
5	(i) (क) सोमवार को छठी कक्षा के छात्रों की प्रतियोगिता हुई थी। (ख) सभी सिपाही राजा के पीछे-पीछे चल रहे हैं।	1 1	

	(ii) (क) वाह! खीर तो बहुत अच्छी बनी है। (ख) राहुल, सीमा, और सुरेश दिल्ली गए हैं। (iii) अर्थ- कोई नुकसान न पहुँचा पाना वाक्य (विद्यार्थी द्वारा कोई भी सार्थक वाक्य स्वीकार्य है।	1 1 1 1	6
6	(i) (क) अंत (ख) दानव (ii) (क) तन, काया (ख) नीरज, पंकज (iii) (क) नींद, धातु.....आदि (ख) किनारा, बाण....आदि	2 2 2	6
7	(i) (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) भाववाचक संज्ञा (ii) (क) वे (ख) कुछ (iii) (क) लंबे है (ख) दो किलो	2 2 2	6
8	(i) (ख) नई फसल के चावल से (ii) (ग) सूर्य की (iii) (घ) नहा-धोकर नए कपड़े पहने (iv) (क) दूध, गुड़, चावल (v) (ग) इस दिन विशेष रूप से सूर्य की पूजा की जाती है	1 1 1 1 1	5
9	(i) (घ) सरोवर अपना पानी स्वयं नहीं पीता (ii) (ख) दूसरों के हित के लिए (iii) (ग) परोपकारी बनना (iv) (घ) मीत (v) (घ) मित्र	1 1 1 1 1	5
10	(i) भेस बदलकर मामूली कपड़े पहनकर, जनता के बीच जाकर अपनी प्रजा का हाल चाल जानना। (ii) 'सच्चे बच्चे कितने अच्छे' प्रतियोगिता में पुरस्कार देने का सुझाव विद्यालय न० 2 के एक शिक्षक का था क्योंकि सत्यपाल ने विपरीत परिस्थितियों में भी झूठ का मार्ग नहीं अपनाया और सत्य के मार्ग पर डटा रहा। (iii) बी०ए० की परीक्षा देने जाते हुए रास्ते में पेड़ो की कटाई होते हुए कंपनी मजदूरों को रोक न पाना ही सुंदरलाल की आत्मग्लानि का कारण था। (iv) कार्य देर से होगा, अकेला व्यक्ति थक जाएगा, कार्य को ठीक ढंग से नहीं कर पाएँगे, कार्य में नवीनता भी नहीं दिखेगी।	2 2 2 2	8

11	(i) छठे नौजवान ने अनोखी इच्छा माँगी। इच्छा थी कि राजा वर्ष में एक बार उसके घर अतिथि स्वरूप पधारें। उसे धन, मकान मिल गया, राजदरबारी बन गया और सुंदर पत्नी भी प्राप्त हुई । (ii) महिपाल सिंह ने दायाँ हाथ खो जाने पर हिम्मत नहीं हारी । धीरे-धीरे बाएँ हाथ से लिखना आरंभ किया । पहले टेढ़े मेढ़े अक्षर, दूर-दूर अक्षर फिर साफ़-साफ़ और मोतियों जैसे अक्षर लिखने लगे। (iii) चंचल ने बताया कि अखबार में छपी छोटी-मोटी चोरी की खबरों को नमक मिर्च लगाकर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाओ और दुहराओ। लोग आकर्षित होंगे और जल्दी-जल्दी अखबार बिक जाएँगे। (iv) सुंदरलाल ने तरु रक्षण और वृक्षारोपण संस्थान का गठन किया, सरकार को पत्र लिखे, गाँव-गाँव जाकर सभाएँ की और वृक्ष लगाए।	**3** **3** **3** **3**	**12**
12	**अनुच्छेद लेखन** • भूमिका • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 **1** **3** **1**	**5**
13	**पत्र लेखन** • प्रारूप संबंधी आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 **1** **3** **1**	**5**
14	**विज्ञापन लेखन** • सृजनात्मकता • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 **1** **3** **1**	**5**